Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर दें रोजगार

प्रदर्शन

एम्स ऋषिकेश में नियुक्ति के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में नियुक्ति में अनियमितता मामले में उत्तराखंड महिला मंच से जुड़ी महिलाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने इस मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कहा कि स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

उत्तराखंड महिला मंच की प्रदेश संयोजक कमला पंत के नेतृत्व में मंच से जुड़ी महिलाएं सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एकत्र हुई। यहां ऋषिकेश एम्स प्रशासन और सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इस दौरान महिकाओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कमला पंत ने कहा कि एम्स ऋषिकेश में नर्सिंग संवर्ग के पदों पर एक ही राज्य के 600 युवाओं को नियुक्ति देने का मामला सामने आया है। अन्य राज्यों से इस तरह नियुक्ति हो रही, जबकि स्थानीय युवा बेरोजगार सड़क पर घूम रहे हैं।

जिला संयोजक निर्मला बिष्ट ने कहा कि राज्य निर्माण के दौरान यहां के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करवाने का सपना देखा गया था, लेकिन जिस तरह से गुपचुप और गलत तरीके से नियुक्ति की जा रही है, इससे उत्तराखंड का युवा निराश है। उन्होंने कहा कि यदि इस माममे में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ सड़कों पर उतरकर विरोध किया जाएगा। इस मौके पर कौशल्या चौहान, रजनी, बीना डंगवाल, शांति उप्रेती, सरोज चौहान आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

माँ से जन्म, मातृभूमि से हमारी राष्ट्रीयता और मातृभाषा से हमारी पहचान

संवाददाता ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि अतंर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस हमें अपनी मातृभाषा और संस्कृति से जुड़ने का संदेश देता है। अपनी मातृभाषा को बढ़ावा देने, भाषा और बहुभाषावाद से समावेशी विकास, भाषायी अंतर से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता – अखंडता एवं एक भारत –श्रेष्ठ भारत की भावना का निर्माण करने हेतु प्रोत्साहित करता है। आज का दिन हमें विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देने का संदेश देता है। विश्व में 7,000 से अधिक भाषाएँ हैं, जिसमें से सिर्फ भारत में ही लगभग 22 आधिकारिक मान्यता प्राप्त भाषाएँ, 1635 मातृभाषाएँ और 234 पहचान योग्य मातृभाषाएँ हैं। जिन्हें जीवंत और जागृत बनाये रखना अत्यंत आवश्यक है।

यति नरसिंहानंद गिरि ने संतों को दी शास्त्रार्थ की खुली चुनौती

संवाददाता हरिद्वार। गाजियाबाद डासना मंदिर के परमाध्यक्ष और जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने धर्म संसद की आलोचना करने वाले संत महात्माओं को शास्त्रार्थ की खुली चुनौती दी है। सोमवार को उन्होंने सर्वानंद घाट पर सहयोगी स्वामी अमृतानंद के साथ गंगाजल लेकर धर्म संसद की आलोचना करने वाले संत महात्माओं को शास्त्रार्थ की चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह शास्त्रार्थ में पराजित हुए तो दोनों जीवित जल समाधि ले लेंगे। उन्होंने कहा कि शास्त्रार्थ में धर्म संसद की आलोचना करने वाले संत महात्मा को साबित करना होगा कि धर्म संसद में धार्मिक चर्चा नहीं हुई थी।

गंगा भोगपुर विद्यालय में छह शिक्षक कोरोना संक्रमित, सभी छात्र–छात्राओं की जांच

संवाददाता ऋषिकेश। पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर प्रखंड स्थित गंगापुर विद्यालय में छह शिक्षकों की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आई है। इनमें चार महिलाएं शामिल है। इन सभी में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद से ही विद्यालय में हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी छात्र–छात्राओं और शिक्षकों की जांच की।

यमकेश्वर प्रखंड के स्वास्थ्य विभाग नोडल अधिकारी डा. राजीव कुमार ने बताया कि गंगा भोगपुर विद्यालय में तैनात छह शिक्षकों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके बाद विभाग की टीम को विद्यालय में भेजा गया। जहां 102 छात्र–छात्राओं और शिक्षकों के सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं। संक्रमित सभी शिक्षकों को आइसोलेट किया गया है। चिकित्सीय दल में संजय सिंह, ऋषभ घनसाला, कल्पना हर्शवाल शामिल रहे।

कभी चार तो कभी छह घंटे बिजली हो रही गुल

संवाददाता बागेश्वर। जिले में इन दिनों विद्युत आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। ग्रामीण क्षेत्र में हालात और भी खराब हो गए हैं। कांडा और दुग–नाकुरी क्षेत्र का कोई सुधलेवा नहीं है। कभी चार तो कभी छह घंटे बिजली गुल रह रही है। रविवार को सुबह से शाम तक कांडा कमस्यार के गांव अंधेरे में डूबे रहे। सोमवार को सुबह 11 बजे से दुग–नाकुरी के गांवों में बिजली नहीं आई। इससे ग्रामीण परेशान हो गए हैं।

आदर्श आचार संहिता लगने से पहले ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता का तबादला रानीखेत हुआ। जिले में नए अधिकारी ने चार्ज संभाला। तब से लेकर अब तक जिले की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बगैर कटौती के ही जिले में चार से पांच घंटे विद्युत आपूर्ति प्रभावित होना आम हो गया है। कभी बारिश और हवा के कारण परेशानी हो रही है, तो कभी विभाग शटडाउन ले रहा है। बीते रविवार को कमस्यार क्षेत्र के गांव में बिजली गुल रही। शाम को दुग–नाकुरी तहसील के गांव की आपूर्ति ठप हो गई। रात आठ बजे आपूर्ति बहाल हुई। सोमवार को सुबह 11 बजे से आपूर्ति फिर चरमरा गई।

इधर, ऊर्जा निगम के जेई मदन जोशी ने बताया कि सोमवार को कई गांवों में बिजली की लाइन में मरम्मत हो रही है। इस कारण आपूर्ति ठप रही। बिजली की लाइन में पेड़ गिर गया था। विभाग कटौती नहीं कर रहा है। लाइनों में फाल्ट ठीक करने को शटडाउन लिया जा रहा है।

पर्यटन सीजन करीब, फिर भी सड़कें खस्ताहाल

संवाददाता गरुड़। पर्यटन सीजन करीब है, फिर भी तहसील क्षेत्र की सड़कों का हालत सुधारने की दिशा में लोनिवि की ओर से कोई पहल नहीं हो पाई है। यही हाल रहा तो विभाग की लापरवाही का खामियाजा स्थानीय लोगों के साथ–साथ पर्यटकों को भी भुगतना पड़ेगा। आलम यह है कि क्षेत्र की सड़कों में जगह–जगह बने गड्ढे दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कौसानी से बैजनाथ तक सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। कौसानी से लौबांज तक भी सड़क का हाल बहुत बुरा है। मामूली बारिश में सड़क कीचड़ से लथपथ हो रही है और तलैया में तब्दील हो जा रही है।

नए शिक्षा सत्र के शुरुआती चरण में किताबें बच्चों तक पहुंचने की उम्मीद

संवाददाता बागेश्वर। नए शिक्षा सत्र के लिए एनसीआरटीई पैटर्न की पुस्तकें शिक्षा विभाग के पास पहुंच गई हैं। यह किताबें कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के हैं। रमसा के तहत किताबें छात्र–छात्राओं तक निश्शुल्क पहुंचाई जाएंगी। फिलहाल पुस्तकों को शिक्षा विभाग ने सुरक्षित गोदाम तक पहुंचा दिया है। अलबत्ता नए शिक्षा सत्र के शुरुआती चरण में यह किताबें बच्चों तक पहुंचने की उम्मीद है। पूर्व में किताबों के लिए छात्र–छात्राएं परेशान रहते थे। हर वर्ष नया शिक्षा सत्र शुरू होने के छह महीने तक बच्चों को किताबें नहीं मिल पाती हैं।

विभाग बच्चों के खातों में धनराशि भेज देता था, लेकिन कई अभिभावक उसके बाद भी किताबें नहीं ले पाते थे। कई बार छमाही की परीक्षा भी बिना किताबों को हो जाती थी। लेकिन इस बार कक्षा एक से 12 तक के बच्चों के लिए एनसीआरटीई की किताबें पहुंचने लगी हैं। अब तक तीन वाहनों में किताबें आ गई हैं। सीईओ आवास के पास बने गोदामों में रखा गया है। नए शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले विद्यालयों तक पहुंचने की उम्मीद है।

कक्षा एक से आठवीं तक की किताबें पहुंच गई हैं। कक्षा नौ से 12वीं तक के कक्षाओं की किताबें एक दो दिन में पहुंचेंगी। नए शिक्षा सत्र में सभी पुस्तकों को छात्रों तक पहुंचा दी जाएंगी।

– पदमेंद्र सकलानी, डीईओ माध्यमिक।

ये किताबें हैं खेप में शामिल

कक्षा पांच से सात तक की कक्षाओं के लिए 25 किस्म की 44002 किताबें शामिल हैं। इसी तरह कक्षा दस के लिए 26903 किताबें हैं। इसमें हिदी माध्यम के लिए 22801, अंग्रेजी माध्यम के लिए 4102 किताबें शामिल हैं।

हिदी, अंग्रेजी, संस्कृत,गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान विषय शामिल हैं। इसके अलावा कक्षा नौ के लिए अंग्रेजी माध्यम के लिए 5226 तथा हिदी माध्मय के लिए 22708 कुल 27934 किताबें उपलब्ध हैं। इसी तरह कक्षा 11 तथा 12 के लिए किताबे मुफ्त हैं।

छात्रों से एक बार फिर गुलजार हुई डीआईटी यूनिवर्सिटी

संवाददाता देहरादून। कोविड–19 की तीसरी लहर के चलते बंद किए गए शिक्षण संस्थान एक बार फिर खुलने लगे हैं। इसी बीच डीआईडी यूनिवर्सिटी भी एक बार फिर छात्रों से गुलजार हो गई। सोमवार को एक बार फिर डीआईडी यूनिवर्सिटी में पहले की तरह छात्रों की चहल–पहल देखी गई और कक्षाएं पूर्ण रूप से सुचारू कर दी गई। इस बारे में जानकारी देते हुए डीआईडी यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार वंदना सुहाग ने बताया कि कोविड–19 के नियमों का पालन करते हुए एक बार फिर सरकारी निर्देशानुसार यूनिवर्सिटी में कक्षाएं संचालित करा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि 2 माह पूर्व यूनिवर्सिटी बंद कर दी गई थी और कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जा रही थी। वहीं कुछ छात्र जो दूरस्थ क्षेत्रों से जहां पर पढ़ने आए हुए हैं वह हॉस्टल में ही कोविड–19 का पालन करते हुए रह रहे थे। वंदना सुहाग ने कहा कि यूनिवर्सिटी में छात्रों एवं स्टाफ के लिए वैक्सीनेशन कैम्प लगवा कर सभी की वैक्सीनेशंस पूरी करवाने का काम किया गया है।